



## What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

# ARYAN VOICE

YEAR 39

02/2017-18

MONTHLY

February 2017

## Dates for your diary (Festivals celebrated at Arya Samaj Bhavan)

**Rishi Bodh Utsav - Sunday 26th February 2017**

**11am – 1pm**

**Holi – Sunday 12th March 2017**

**11am – 1pm**

**Ram Navmi – Sunday 9th April 2017**

**11am-1pm**

**ARYA SAMAJ (Vedic Mission) WEST MIDLANDS**

**(Charity Registration No. 1156785)**

**188 INKERMAN STREET (OFF ERSKINE STREET), NECHELLS,  
BIRMINGHAM, B7 4SA**

**Tel: 0121 359 7727**

**E-mail– [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org) Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**

## CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj		3
Sow Sweetness Reap Sweetness	By Mr Krishan Chopra	4
अध्यात्म के शिखर पर-भाग-७	आचार्य डॉ. उमेश यादव	6
४. ओ३म् की नगरिया		9
Hall Hire		10
Maha Shivaratri	By Mr Krishan Chopra	11
Sacrament (Sanskar 6)		12
Please save the original book 'Satyarth Prakash'		16
“सत्यार्थ प्रकाश बचाओ! महर्षि दयानन्द का ऋण चुकाओ!”		18
Matrimonial Advert		20
List of Festivals for year 2017		21
News (पारिवारिक समाचार)		22
Changes to Matrimonial Service in 2017		25

**For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,  
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.  
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727  
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rigved, Yajurved, Samved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

## Sow Sweetness Reap Sweetness

मधु जानिषीय मधु वंशिसीय । पयस्वाग्ने आगमं तं मा सँ सृज वर्चसा ॥ अथर्ववेद  
९.१.१४

Madhu janisiya madhu vansisiya I payasvagne agamam tam ma  
samsrja varcasa II

Atharva Veda 9.1.14

### Meaning in Text Order

Madhu = sweetness  
Janishiya = give birth  
Madhu = sweetness  
Vansisiya = ask for  
Payasvan = exuberant  
Agne = O Radiant Lord  
Agamam = I have come to you  
Tam – whom  
Ma = to me  
Samsrja = bestow on me  
Varcasa = luster.

### Meaning

O Radiant Lord! I am exuberant, I have come to you. Bestow on me lustre so that I generate the environment of sweetness and I ask others to generate sweetness.

## **Contemplation**

Bitterness is on the increase and sweetness in our relationships is on the decrease.

If we would like to make this world the kingdom of God we have to fill the entire atmosphere with sweetness. Nature spreads sweetness in all directions. It is for us to take a lesson from it. In the east, the rays of dawn spread sweetness. From the horizon the rays of the sun spread sweetness. The moon brings sweetness through its light. In the night, the stars in the sky unfold with sweetness. The greenery of plants and trees laden with fruit promote sweetness. The snowclad peaks of mountains scatter the sweetness. Water flowing from springs, falls and rivers brings sweetness to us. Clouds shower sweetness down from mid space. Let us collect all this sweetness and place it in our hearts.

It is my utmost desire that I practise such behaviour that I spread sweetness and I request others to do the same. A one sided action cannot create sweetness in the environment. If I make a resolution today that I will treat everyone with sweetness then I can expect this type of behaviour from others too. Therefore I should pledge today that I will treat everyone in this manner. I also invite others to spread sweetness and discard bitterness. Then, one day, the world will be full of sweetness.

O Radiant Lord! I have come with the sweetness and come to you. Bestow lustre on me because sweetness without lustre is not true sweetness. May the flow of sweetness and lustre purify my mind and the mind of the world. May the Lord fulfil my desire.

**By Mr Krishan Chopra**



## अध्यात्म के शिखर पर-भाग-७

आचार्य डॉ. उमेश यादव

स्तुति, प्रार्थना और उपासना आध्यात्मिक शिखर पाने के लिये अत्यन्त सहायक हैं। पारिभाषिक तौर पर अब तक हमने विगत लेखों में स्तुति, प्रार्थना और उपासना को समझा। ये तीनों अध्यात्म जगत्के महत्त्वपूर्ण आयाम हैं। यहाँ हम कुछ सुपरिचित मंत्र प्रयोग के रूप में देखेंगे। प्रस्तुत मंत्र प्रस्तुत स्तुति, प्रार्थना अथवा उपासना को स्पष्ट करने में उदाहरण हैं।

स्तुति- स पर्यगाच्छुक्रमकायमब्रणमस्नाविरं शुद्धमपापविद्धम्। कविर्मनीषी परिभूः स्वयंभूर्याथातथ्यतोऽर्थान्व्यदधाच्छाश्वतीभ्यः समाभ्यः। यजुर्वेद ४०/८

इस मंत्र में ईश्वर की केवल स्तुति बतलायी गयी है। स्तुति भी दो प्रकार से समझें-सगुण और निर्गुण। सगुण- जो-जो गुण ईश्वर में है, उसे सीधा बोलना ईश्वर की सगुण स्तुति है और जो-जो गुण ईश्वर में नहीं है, उसे तद वत्बोलना

इश्वर की निर्गुण स्तुति है। इस मंत्र में ईश्वरीय स्तुति की दोनों विधायें स्पष्ट हुयी हैं। प्रथमतः सगुण स्तुति के उदाहरण देखें-

स पर्यगात् - वह ईश्वर सब जगह पहुँचा हुआ अर्थात्सर्वव्यापक है। शुक्रम्वह परमेश्वर अत्यन्त शीघ्रकारी और बलवान् है। शुद्धमशुद्ध है। कविः- सर्वज्ञ है। मनीषी- सबका अन्तर्यामी है। परिभूः-सर्वोपरि विराजमान और स्वयंभूः-सनातन स्वयंसिद्ध है। वही परमेश्वर शाश्वतीभ्यः समाभ्यः- अपनी जीवरूप सनातन अनादि प्रजा को अपनी सनातन विद्या से याथातथ्यतः -यथावत् अर्थात् ठीक-ठीक

वेद-ज्ञान द्वारा अर्थान् अर्थों का बोध व्यदधात्कराता है। यह सगुण स्तुति हुयी। अब निगुण स्तुति समझें-

अकायम्वह परमेश्वर कभी शरीर धारण अथवा जन्म नहीं लेता। अब्रणमूंस में कोई छिद्र नहीं होता। अस्नाविरम्वह कभी नाड़ी आदि के वन्धन में नहीं आता। अपापविद्धम्वह कभी पापाचरण नहीं करता क्योंकि वह पापों से विद्धा हुआ नहीं है। परमात्मा न पाप चाहता है, न सोचता है और न ही करता है। फलतः परमेश्वर में क्लेश, दुःख और अज्ञान कभी नहीं आता। वस्तुतः पाप तो क्लेश, दुःख और अज्ञान से ही उत्पन्न होता है। इसी से रागद्वेषादि दोष भी होते हैं जो ईश्वर में नहीं हैं। जो मनुष्य ऐसा मानता है वह ईश्वर की निर्गुण स्तुति करता है।

इस प्रकार सत्य रूप से ईश्वर की स्तुति करें तो हमारे अन्दर भी कुछ ईश्वरीय गुण बढ़ने लगते हैं। ईश्वर न्यायकारी है, हम भी न्यायकारी बनें। वह सत्य है तो, हम सत्यवादी बनें, इसी तरह दयालुता, बलवता, शीघ्रकारिता, अनुशासन आदि के गुण-कर्म-स्वभाव में वृद्धि सम्भव है। हम कह सकते हैं कि स्तुति केवल क्रिया मात्र नहीं है अपितु उत्तमोत्तम गुण-वृद्धि में भी अत्यन्त सहायक है। पर

यह भी सच है कि जो मनुष्य केवल भांड की तरह ईश्वर के गुण -कीर्तन करता और अपना चरित्र नहीं सुधारता, उसके द्वारा ईश्वरीय स्तुति करना भी व्यर्थ है । अब हम प्रार्थना के कुछ उदाहरण देखें ।

यां मेधां देवगणाः पितरश्चोपासते । तया मामद्य मेधयाग्ने मेधाविनं कुरु स्वाहा  
॥ यजु. ३२/१४

हे अग्ने= प्रकाशस्वरूप परमेश्वर, जिस बुद्धि की विद्वान्, ज्ञानी और योगी लोग उपासना करते हैं या चाहते हैं, कृपा करके तया मेधया=उसी बुद्धि द्वारा अद्य=

इसी वर्तमान काल में माम्= मुझे मेधाविनम्= बुद्धिमान्कुरु= करें । यहाँ "अद्य" शब्द से वर्तमान कालीन/ आज/ शीघ्रता आदि अर्थ ग्राह्य है । इसके साथ-साथ हमें यह भी जानना है कि प्रार्थना केवल क्रिया मात्र से सफल नहीं होती अपितु इसकी सफलता के लिये अनुकूल दिशा में आवश्यक पुरुषार्थ की जरूरत है । जाना है उत्तर दिशा में, तो दक्षिण दिशा में चलकर गन्तव्य स्थल को नहीं प्राप्त किया जा सकता । निकम्मा होकर केवल बैठे रहने से भी गन्तव्य स्थल नहीं मिल सकता । अतः प्रार्थना के साथ पुरुषार्थ भी अनिवार्य है । सफलता तभी मिल सकेगी जब अनुकूल दिशा में समुचित पुरुषार्थ किया जाय । उत्तमोत्तम बुद्धि चाहिये तो आवश्यक पुरुषार्थ करना ही होगा । स्वाध्याय, चिन्तन, मनन, श्रवण, सत्संग, गुरु-सेवा तथा गुरु-मुख से सुनना इत्यादि समुचित रूप से अनुकूल दिशा में पुरुषार्थ करते हुये यदि ईश्वर से सदबुद्धि हेतु प्रार्थी हों तब ईश्वर की कृपा से पुरुषार्थभरा प्रार्थी के अन्दर सदबुद्धि का विकास व ठहराव सम्भव होने लगता है फलतः वह सदैव जीवन में सन्मार्ग का ही पथिक बना रह सदा सुखी रहता है ।

## ४. ओ३म् की नगरिया

ओ३म् की नगरिया बड़ी है सुहानी, चलो-चलो प्राणी घूम  
के आर्ये ।

जन्म-जन्म का फंदा कटता, पुण्य कर्म का धंधा सजता,  
श्रेष्ठ कर्म, धर्म कुछ कर लो, चलो-चलो प्राणी...

ओ३म् नाम में तीन ही अक्षर, अ उ म् का नाद बजाया,  
अनहद नाद ब्रह्माण्ड में गूँजे, चलो-चलो.....

सर्वलोक इसमें है समाया, वाग, पवन, उपवन चितलाया,  
चाँद-सूरज का दीप जलाया, चलो-चलो.....

कोई जगह नहीं उससे है खाली, कण-कण में वह रमा  
हुआ है,  
उमेश संग तुम भी आ रम जाओ, चलो-चलो प्राणी, घूम  
के आर्ये ॥

# **Arya Samaj (West Midlands) Hall Hire**

Perfect venue for –

- **Engagements**
- **Religious Ceremonies**
- **Community events**
- **Family parties**
- **Meetings**

Venue information –

- **£300 for 6 hours (min.)**
  - **£50 Hourly**
- **Main Hall with Stage**
  - **Dining hall**
  - **Kitchen**
  - **Cleaning**
- **Small meeting room**
- **Vegetarian ONLY**
  - **NO Alcohol**
  - **Free parking**

**For more information call us on  
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm Bank Holidays – Closed**

## **Maha Shivaratri**

### **(The Enlightenment Day of Mahrishi Dayanand Sarasvati)**

The night of Shivaratri is the night of awakening. On this day the devotees of Shiva observe fast and keep vigil whole night. In the process of devotion and meditation people have to stay awake. But in the temple most of them fall asleep. They come to follow the tradition. For the majority their sleep is more dear to them than worshipping Lord Shiva whole night.

A 14 years old Mool Shankar (childhood name of Dayanand) also observed the fast with desire to have darshan of Lord Shiva. But his fast and devotion was different than other devotees. After midnight when most of devotees had fallen sleep young Mool Shankar was still wide awake. He had this strong desire to see Lord Shiva with his own eyes. But he saw a mouse jumping, roaming freely and eating the offerings on Lord Shiva Linga. Mool Shanker was not only wide awake but mentally alert as well.

So a doubt arose in his mind that how Lord Shiva was unable to protect himself from a mouse. Mool Shankar realised the true nature of Lord Shiva. All other devotees in the temple were fast sleep. Mool Shanker asked his parents and relatives to explain this incidence. But no one gave him a satisfactory answer.

Mool Shankar left his house. He wondered in forests, in caves of mountains, in math of Sadhus in search of true Lord Shiva. But everywhere he found hypocrisy, darkness and ignorance.

Later in life Mool Shankar became Swami Dayanand Saraswati and taught the world true meaning of Lord Shiva as written in Vedas. He enlightened the world with true meaning of God. He taught us the true meanings of four Vedas and removed the darkness in our knowledge and thinking. Dayanand had the divine vision. He saw the darkness and ignorance prevailing in the entire world. He gave that divine light to the world through his immortal work "Satyarth Prakash (Light of Truth).

The day of Shivaratri became the land mark day to enlighten the world with the teachings of Vedas.

**By Mr Krishan Chopra**

## SACRAMENT (SANSKAR 6)

### NEWLY BORN CHILD (JATAKARMA SANSKAR)

This Sacrament is the one which binds the Sacraments performed prior to the birth of the child with the Sacrament performed after the birth of the child.

This is the fourth Sacrament and time to perform is the 10th month of the pregnancy when the pregnant mother is giving birth to her child.

The ideal full term pregnancy is 280 days. A child born at 280 days or after is known as a full term pregnancy and the child born is fully developed.

Now the reader will learn the way to perform this Sacrament.

1. Sprinkling the water- According to the temperature of local environment the husband of the pregnant woman sprinkles cold or warm water over the body of his wife who is in labour. He recites

**“Om ejatu dashmasyo garbho jarayuna sah | yathayam  
vayurejati yatha samudra ejati | evayam dashmasyo  
asrajjarayuna sah ||” yajurved 8.28**

and prays for the foetus (child) to come down the path of delivery, from Uterus to Vagina, smoothly along with the Placenta. Sprinkling of water act tries to calm his wife and helps her to cope with the labour pain. Presence of her husband next to her also helps her to cope with labour pain.

2. To cut the Umbilical cord- The Umbilical cord connects the Placenta in the womb of the mother to the navel of the foetus. This cord should be cut about eight fingers breath away from the navel of the child after tying the cord with a strong string. One should cut the cord distal (below) the knot of the tied thread.
3. To write 'OM' on the tongue of the child- This Sacrament is carried out by a person who is aware and has knowledge of performing this Sacrament. This person may be the learned father or grandparents of the child or a priest who should recite the Mantras as written in this book. The father of the child writes 'OM' on the tongue of the newly born child with a small stick made of gold. He dips this gold stick in a mixture of honey and Ghee (clarified butter) and writes 'OM' with it. It is very important to make sure that this mixture has more honey and only little amount of Ghee in it. A mixture of Gold stick and plenty of honey and a little bit of Ghee acts as a medicine for the mouth of the child and keeps disease away. A mixture of equal amounts of honey and Ghee are harmful to the child.

By writing 'OM' on the tongue of the child the parents hope that their child will believe in existence of Almighty God as 'OM' is the best name of God. Ghee helps in stopping Epileptic fits, high fever, wind and acidity in the child. Honey provides sweetness, increases the appetite of the child as well as helps in body building. Gold helps to increase intelligence, age and memory. The Gold stick should be of pure Gold. The father should not use his finger to write 'OM' on the tongue of the child. After writing 'OM' on the tongue of the child the father says "Vedo-asi" in the right ear of the child. This means your secret name is Veda.

The Vedas essentially mean four things- knowledge, thinking, authority and beneficial for mankind. Right at the beginning of life a child should be aware of knowledge, science, intelligence and belief in the power of Almighty God. **This is the aim of**

## **performing this Sacrament.**

4. Labour Pain- It is usually seen and observed that a pregnant mother who has been active in her day to day life in the household usually delivers her child with out suffering too much labour pain. Pregnant women are working in forests usually give birth to their children while walking about. It is usually the pregnant mothers who live in urban cities suffer more labour pain and discomfort during their deliveries. Some of these mothers need Caesarian sections for delivery of their children. This is due to lack of exercise.

This is why it is recommended that a pregnant woman should stay active and continue with her normal physical routine including household work as much as possible so that she delivers her baby easily.

5. To smell the head of the child- It is quite alright for parents to smell the head of their child to show their affection and to bless the child. The father smells the head of the child and blesses the child for a long and healthy life. This Vedic culture was well established in the period of Ramayan and Mahabharat when children used to bow their heads and touch the feet of their parents and elders. The parents and elders used to bless the children by smelling their heads or putting their hands on the heads of these children.

Kissing the children cheeks or lips is not in Vedic culture. By kissing children the parents and elders can pass on their bacteria/viruses to children.

6. Breast feeding- The pregnant mother has readymade milk in her breasts for her child. By feeding her breast milk to her child she shows her affection to her child as well as nourishes her/him. This is a wonder of Almighty God. According to the Ayurvedic

books and Vedic culture the mother's milk is the best nourishment for the child and mothers should breast feed their newly born children. This is a birth right of a child. A mother's milk is full of antibodies which protect the child from various diseases.

7. A pot full of water- One should keep a reasonable size pot of water or a bucket full of water near the head side of the mother's bed in her room. This provides the necessary humidity for the mother and the child and also dissolves any harmful gases in the air. Household members should always make sure that there is enough water in the pot. The water pot near the head of the mother also keeps her head and mind cool and healthy.
8. Oblation of Mustard seed- It is recommended to perform Havan in the morning and evening for at least ten days in the house where mother and newly born child are living. Yellow mustard seeds should be offered in Havan as oblation. In Ayurved the Mustard seed is described as good medicine for Eczema type skin diseases and to get rid of phlegm from the head region of the human body. This is why there is provision to offer mustard seed mixed with cooked rice as oblation in Havan Kund. The smell and smoke arising out of Havan Kund and breathed by the mother helps to keep her healthy. According to Ayurvedic books a Diya of Mustard oil /Castor oil can also be lit for about ten days in the house of mother and the child.

In this way by performing this Sacrament we wish for an intelligent, healthy and cultured child with a long life span. This Sacrament also purifies the household of the mother and newly born child.

**Written by Acharya ji Dr Umesh Yadav in Hindi  
and  
Translated by Dr Narendra Kumar in English**

## PLEASE SAVE THE ORIGINAL BOOK “SATYARTH PRAKASH”

Dear Members of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Some office bearers of Paropkarini Sabha, Dayanand Ashram, Kesarganj, Ajmer-305001 (Rajasthan), India have made totally unnecessary distorted, mutilated and corrupt changes in the 37th, 38th, 39th and 40th edition of sacred book “**Satyarth Prakash**” written by Swami Dayanand Saraswati in year 1883 and printed as second edition in year 1884. These bad changes have destroyed the true meaning and knowledge contained in the book, as written and desired by the original writer Swami Dayanand Saraswati.

Since 1884 and till 1990 “**Satyarth Prakash**” has been printed as written by Swami Dayanand Saraswati in 1883. It is since year 1991 when Paropkarini Sabha office bearers started their unforgivable practice of altering the contents in “**Satyarth Prakash**” in name of modernising the language and improvement.

This sin is totally unforgivable and intolerable and to tolerate this happening is a bigger sin.

A true follower of Vedas and teachings of Maharishi Dayanand Saraswati can not tolerate these actions of few irresponsible officials of Paropkarini Sabha in India.

The case against these irresponsible individuals is pending in District Court of Ajmer, India.

The members of Arya Samaj community in India have already spent about £8000 on this case.

Now it is paramount duty of us to help the team fighting this court case in India with all the means at our disposal.

According to the present situation we need to collect about £10,000 to send to India.

So we appeal to all of you to donate generously towards this very worthy cause.

The office bearers of Arya Samaj West Midlands are committed to fight this just cause.

You can write to Paropkarini Sabha to express your views on **psabha@gmail.com**

We have to save the immortal book of “**Satyarth Prakash**” of Swami Dayanand Saraswati at any cost. It is our paramount duty to do this.

You can write the cheque in name of “**Arya Samaj West Midlands**” and post it to **Arya Samaj West Midlands, 188 Inkerman Street, Nechells, Birmingham, B7 4SA.**

**Arya Samaj West Midlands will always be grateful for your contribution in this matter.**

**Yours sincerely**

**Dr. Narendra Kumar  
Chairman  
The Board of Trustees**

**Mrs. Brij Bala Duggal  
Secretary  
The Board of Trustees**

## ओ३म्

“सत्यार्थ प्रकाश बचाओ ! महर्षि दयानन्द का ऋण चुकाओ !”

आदरणीय आर्यजनों,

परोपकारिणी सभा अजमेर के कुछ पदाधिकारी मिल कर सत्यार्थप्रकाश की अस्मिता को छिन्न-भिन्न कर रहे हैं। ३७ ३८, ३९ और ४० वें प्रकाशन में भी कुछ-कुछ स्थानों पर शब्दों का परिवर्तन कर दिया है जिससे सत्यार्थ प्रकाश का मूल नष्ट-भ्रष्ट हो रहा है। यह घोर पाप है। ऐसा होते देख चुप बैठना उससे भी अधिक पाप है। इस तरह की हरकत एक सच्चे आर्य को कतई नहीं बर्दास्त हो सकेगा। यह मामला कोर्ट में भी जा चुका है। इसमें हमें सत्यार्थ प्रकाश की सुरक्षा हेतु कर रहे प्रयास वाली पार्टी को तन-मन-धन से मदद करनी होगी। अभी की सम्भावना से हमें लगभग १० हजार पौंड्स की व्यवस्था करनी है।

अतः आर्यो ! उठो और इस महत्त्वपूर्ण कार्य में दिल खोलकर सहायता करो। आर्य समाज बर्मिंघम ने आगे बढ़कर इस अभियान को सार्थक करने हेतु संकल्प लिया है। इस क्रम में हम आप सब आर्य भाई-बहनों से पूरजोर अपील करते हैं कि इस पवित्र व महत्त्वपूर्ण ऋषि-ऋण को चुकाने में हमें तन-मन-धन से साथ दें ताकि हम इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण होने में हम सहायक हो सकें। याद रखें, यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस अमरग्रन्थ सत्यार्थप्रकाश पर कोई आँच न आने दें।

आप अपना सहयोग दान-राशि आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स के नाम ही भेजें ताकि यहीं से हम सारी राशि को एक साथ भारत में सत्यार्थ प्रकाश के पक्ष में कार्य कर रहे मुखिया को भेज सकें । Please send your cheque to this address - Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands, 188 Inkerman Street, Nechells, Birmingham, B7 4SA.

इस हो रहे गलत कार्य को रोकने के लिये आप भी अपना स्वतंत्र विचार सीधा परोपकारिणी सभा को ईमेल लिख सकते हैं बल्कि जरूर और शीघ्र लिखें ताकि वे इस दुष्कार्य को शीघ्रतातिशीघ्र रोक सकें । उनका ईमेल है- psabhaa@gmail.com

आर्य समाज आपके इस सहयोगात्मक कदम के लिये सदा आभारी रहेगा ।

निवेदक

आचार्य डॉ. उमेश यादव,  
एम.ए-हिन्दी व संस्कृत, पीएच.डी-संस्कृत/वेद  
मिनिस्टर ऑफ रेलिजन

आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स, बर्मिंघम ( यू.के.)  
१८८ इन्करमन स्ट्रीट, निचेल्स, बी ७ ४एस.ए.  
0121 359 7727

# **VEDIC VIVAH (MATRIMONIAL) SERVICE**

The vedic vivah (matrimonial) service has been running for over 30 years at Arya Samaj (West Midland) with professional members from all over the UK.

**Join today.....**

Application form and information can be found on the website  
[www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

Or

Call us on

0121 359 7727

Monday to Friday between: -  
2.30pm to 6.30pm

Except Wednesday: - 11.00am to 1.00pm  
Bank Holidays – Closed

## List of Festivals for year 2017

<b>Festival</b>	<b>Actual Date of Festival</b>	<b>Date for celebration in Arya Samaj</b>
<b>Republic Day of India</b>	<b>Thursday 26<sup>th</sup> January</b>	<b>Sunday 29<sup>th</sup> January</b>
<b>Rishi Bodh Utsav.</b>	<b>Friday 24<sup>th</sup> February</b>	<b>Sunday 26<sup>th</sup> February</b>
<b>Holi</b>	<b>Monday 13<sup>th</sup> March</b>	<b>Sunday 12<sup>th</sup> March</b>
<b>Ram Navmi</b>	<b>Tuesday 4<sup>th</sup> April</b>	<b>Sunday 9<sup>th</sup> April</b>
<b>Arya Samaj Foundation Day</b>	<b>Friday 7<sup>th</sup> April</b>	<b>Sunday 9<sup>th</sup> April</b>
<b>Vedic Vivah Mela</b>	<b>n/a</b>	<b>TBC</b>
<b>Annual General Meeting.</b>	<b>n/a</b>	<b>Sunday 30<sup>th</sup> July</b>
<b>Ved Katha (8 days)</b>	<b>n/a</b>	<b>TBC</b>
<b>Raksha Bandhan</b>	<b>Monday 7<sup>th</sup> August</b>	<b>Sunday 13<sup>th</sup> August</b>
<b>Independence Day of India</b>	<b>Tuesday 15<sup>th</sup> August</b>	<b>Sunday 20<sup>th</sup> August.</b>
<b>Shri Krishna Janmasthanmi</b>	<b>Tuesday 15<sup>th</sup> August</b>	<b>Sunday 20<sup>th</sup> August.</b>
<b>Special Satsang for University Students</b>	<b>n/a</b>	<b>Sunday 3<sup>rd</sup> September</b>
<b>Gayatri Maha Yajna</b>	<b>n/a</b>	<b>Sunday 10<sup>th</sup> September</b>
<b>Dasahahara</b>	<b>Saturday 30<sup>th</sup> September</b>	<b>Sunday 1<sup>st</sup> October</b>
<b>Diwali</b>	<b>Thursday 19<sup>th</sup> October</b>	<b>Saturday 21<sup>st</sup> October</b>

## News

### Condolences:

- Mrs. Sudesh Abbi & Family for the loss of her Late husband Mr Dharam Pal Abbi. May God grant the departed souls eternal peace and give strength to the family-members to bear the time of sorrow

### Get Well Soon:

- This is to inform our members and readers that our Patron Shri Gopal Chandra MBE is recovering in Ryland View Nursing Home, Arnhem Way, Tipton, DY4 7HR. We all wish him a speedy recovery.

### Congratulations:

- Mr. Rajive Bali & Family for celebrating first Lohri for his grandson Viraj & Birthday celebration of his grand daughter Rea.

**Many congratulations to all the following mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.**

### Sponsors:

- Mrs. Surat and Mr. Krishan Nischal for being Yajman on Sunday 18<sup>th</sup> December 2016 in Arya Samaj. Havan for retirement.
- Mr. Ashok and Mrs. Sunita Bakshi for being yajman on Sunday 8<sup>th</sup> January 2017 in Arya Samaj. Havan for Happy New Year.

- Mrs. Nirmal Devi Prinja and family for being Yajman on Sunday 15<sup>th</sup> January 2017 in Arya Samaj. Havan for the 10th Death anniversary of Late Mr. Satya Dev Prinja husband of Mrs. N.D. Prinja.

**Thank you:**

- Mrs. Suraksha Kanta Soni for sponsoring Rishi-Langar on Sunday 25<sup>th</sup> December 2016.
- Dr. Arvind Sharma and family for sponsoring Rishi-Langar on Sunday 1<sup>st</sup> January 2017.

**Donations to Arya Samaj West Midlands**

- |   |      |
|---|------|
| • Mrs. Meena Bector   | £21  |
| • Mrs. Suraksha Kanta Soni  | £125 |
| • Mr. Krishan Nischal with Rishi-Lang   | £285 |
| • Dr. Purushottam Das Gupta for New Year  | £50  |
| • Dr. Arvind Sharma   | £101 |
| • Mrs. Nirmal Devi Prinja with Rishi-Langar   | £151 |
| • Mr. Garreth Jones & Mrs. Anita Rastogi in sweet memory of the late mother Dr. Renu Rastogi. | £500 |

**Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services.**

- |   |      |
|---|------|
| • Mrs. Sudesh Abbi for cremation and Shanti yajn for her Late husband Mr Dharam Pal Abbi. | £201 |
| • Mr. Rajive Bali & Family.   | £51  |

**Thank you for all your Donations!**

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises are licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 5th February 2017 & 5th March 2017.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

*0121 359 7727*

**E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)  
Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**

## **Changes to Matrimonial Service in 2017**

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

**Changes that will be made in 2017 are:**

### **Website:-**

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.

### **Matrimonial Service:-**

- Members will be given the option for contact numbers between parents or boys and girls can directly contact each other themselves.
- All members and contact person will be contacted by office staff for a phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.

**We are looking of ways to help our members the best we can, within our limits. If you have any suggestions please get in touch with Raji either by phone, post or email. Contact details and office hours are on the front page and page 2.**